राजस्थान सरकार
निदेशालय संस्कृत शिक्षा राजस्थान जयपुर

क्रमांकः–निसंशि / शैक्ष.4 / सं.दि. / पं.1028 / 2019–20 / 15827-34 दिनांकः– 28-06-2019

1. समस्त जिला कलेक्टर, राजस्थान।
2. कुलसचिव,राजस्थान विश्वविद्यालय जयपुर / जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर / मोहन लाल सुखाडिया विश्वविद्यालय, उदयपुर / महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय, अजमेर / महावीर वर्द्धमान खुला विश्वविद्यालय, कोटा एवं बीकानेर विश्वविद्यालय, बीकानेर।
3. कुल सचिव, जगद्गुरू रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय,जयपुर।
4. निदेशक, कॉलेज शिक्षा, जयपुर / संस्कृत अकादमी, जयपुर / आयुर्वेद विभाग, जयपुर / माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान,अजमेर।
5. महामंत्री, राजस्थान संस्कृत साहित्य सम्मेलन शाहपुरा बाग,जयपुर।
6. राजस्थान संस्कृत प्रचार प्रसार परिषद जयपुर, / वैदिक संस्कृति प्रचार संघ जयपुर / राजस्थान,संस्कृत संसद,जयपुर।
7. संभागीय संस्कृत शिक्षा अधिकारी / संस्कृत शिक्षा, संभाग–जयपुर / जोधपुर / उदयपुर / कोटा / अजमेर / भरतपुर / बीकानेर संभाग चूरू।
8. समस्त प्राचार्य, आयुर्वेद महाविद्यालय, सार्दुल शहर चूरू / सीकर / जयपुर / उदयपुर / अजमेर।
9. समस्त प्राचार्य, राजकीय आचार्य / शास्त्री / वरिष्ठ उपाध्याय संस्कृत महाविद्यालय / विद्यालय राजस्थान।
10. कुल सचिव, कोटा विश्वविद्यालय,कोटा।
11. कुल सचिव,आयुर्वेद विश्वविद्यालय,जोधपुर।
12. निदेशक,राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)जयपुर–परिसर,त्रिवेणी नगर, जयपुर।

विषयः–राज्यस्तरीय संस्कृत–दिवस–समारोह–2019 (श्रावणी–पूर्णिमा संवत् 2076) के अवसर पर पुरस्कार हेतु विद्वानों का चयन।

महोदय,

जैसा कि आपकों विदित हैं कि संस्कृत दिवस समारोह (श्रावणी पूर्णिमा) पर प्रति वर्ष राज्य के संस्कृत भाषा के उत्कृष्ट विद्वानों को सम्मानित किए जाने की परम्परा है। इस वर्ष भी आयोजित होने वाले संस्कृत दिवस समारोह में परम्परा के अनुरूप विद्वानों को सम्मानित किया जाना प्रस्तावित है, अतः इस समारोह में सम्मानार्थ आपके क्षेत्र के प्रख्यात संस्कृत

विद्वानों के प्रस्ताव आपके माध्यम से आमंत्रित किए जाते है। विद्वान की पात्रता सम्बन्धी मानदण्ड एवं आवेदन पत्र इस पत्र के साथ संलग्न हैं एवं विभागीय वेबसाइट **www.rajsanskrit.nic.in** पर उपलब्ध हैं।

आपसे निवेदन है कि पात्र विद्वानों के प्रस्ताव अन्तिम रूप से दिनांक 15.07.2019 तक इस निदेशालय को प्रेषित कराने का कष्ट करें। प्रस्तावों के साथ विद्वानों का संक्षिप्त परिचयात्मक विवरण एवं संस्कृत के विकास/विस्तार में उनके द्वारा किए गये कार्यों का पूर्ण विवरण भी अपेक्षित है।

संलग्नः—मानदण्ड की प्रति एवं आवेदन—पत्र का प्रारूप।

(डॉ.रामकुमार दाधीच)
संयुक्त निदेशक
संस्कृत शिक्षा,राजस्थान,जयपुर

क्रमांकः—निसंशि/शैक्ष.4/सं.दि./पं.1028/2019—20/15827-34 दिनांकः— 28-06-2019

प्रतिलिपिः—निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित हैः—

1. परिसहाय, माननीय राज्यपाल महोदय, राजभवन राजस्थान,जयपुर।
2. निजी,सचिव,माननीय मुख्य मंत्री महोदय,राजस्थान,जयपुर।
3. निजी सचिव, माननीय संस्कृत शिक्षा मंत्री महोदय (स्वतंत्र प्रभार),राजस्थान, जयपुर।
4. निजी सचिव, माननीय प्रमुख शासन सचिव, स्कूल एवं संस्कृत शिक्षा, राजस्थान,जयपुर।
5. निजी सचिव, माननीय विशिष्ठ शासन सचिव, स्कूल एवं संस्कृत शिक्षा, राजस्थान, जयपुर।
6. निजी सचिव, अध्यक्ष, राजस्थान लोक सेवा आयोग, अजमेर/माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर।
7. शासन संयुक्त सचिव, शिक्षा (ग्रुप—6) विभाग शासन सचिवालय जयपुर।
8. निदेशक,जन सम्पर्क निदेशालय,जयपुर को राज्य के दैनिक पत्र पत्रिकाओं में निःशुल्क विज्ञापित कर प्रकाशन कराने हेतु सादर प्रेषित है। (संलग्न—6 प्रति)

संयुक्त निदेशक
संस्कृत—शिक्षा,राजस्थान,जयपुर

राज्यस्तरीय संस्कृत दिवस समारोह पर सम्मानार्थ प्रस्तावित विद्वान / विदुषी का व्यक्तिगत–विवरण

आवक्ष छायाचित्र
रंगीन

1. विद्वान / विदुषी का नाम .....
2. पिता / पति का नाम .....
3. जन्म–तिथि .....
4. जन्म–स्थान .....
5. राष्ट्रीयता .....
6. स्थायी–पत्रसङ्केत .....
   (दूरभाष नं. सहित) .....
   .....
   वर्तमान–पत्रसङ्केत .....
   .....
7. ई–मेल .....
8. शैक्षणिक एवं व्यावसायिक योग्यतायें .....
   (प्रमाणपत्रों की स्वप्रमाणित छायाप्रतियाँ संलग्न हों) .....
9. कार्य–क्षेत्र (सेवा–विवरण) .....
   (सम्पूर्ण विवरण संलग्न करें)
10. प्रकाशित साहित्य / रचनायें .....
    (प्रकाशित ग्रन्थों की प्रति अवश्य संलग्न करें).....
11. अप्रकाशित ग्रन्थ .....
    (ग्रन्थ का संक्षिप्त परिचय एवं कतिपय पृष्ठों की स्वप्रमाणित छायाप्रति संलग्न करें)
12. प्राप्त सम्मान / पुरस्कार .....
    (सम्मानपत्र /प्रमाणपत्र की स्वप्रमाणित छायाप्रति संलग्न करें)
13. संस्कृत क्षेत्र में की गई उल्लेखनीय सेवा.....
    का पूर्ण विवरण (अधिक लेखन की .....
    आवश्यकता होने पर पृथक् से कागज .....
    पर लिखकर संलग्न करे तथा उपलब्ध.....
    प्रमाण भी संलग्न करें) .....
14. वर्तमान–स्थिति .....
15. शिक्षागुरू नाम .....
16. विशेष .....

(i) सम्मानार्थ प्रस्तावित विद्वान का संक्षिप्त जीवनपरिचय संलग्न करें।

(ii)सम्मानार्थ चयन के सन्दर्भ में प्रस्तावक की टिप्पणी अवश्य अंकित की जाये।

(iii) एक रंगीन आवक्ष छायाचित्र पृथक् से संलग्न करें।

स्थान:– .....

दिनाक:– .....

हस्ताक्षर प्रस्तावक

प्रस्तावक का पूरा नाम

पूर्ण पते सहित (दूरभाषसहित)

संस्कृतदिवस–समारोह पर संस्कृत–विद्वानों के सम्मान की योजना के अन्तर्गत विद्वानों के चयन हेतु निर्धारित–मानदण्ड

(1)योजना

संस्कृत–विद्वानों की समाज में प्रतिष्ठा बढाने तथा समाज के प्रति की गई प्रशंसनीय–सेवाओं के लिए उत्कृष्ट एवं उच्च–कोटि के संस्कृत–विद्वानों तथा संस्कृत–कर्मियों को प्रतिवर्ष संस्कृत–दिवस–समारोह के अवसर पर राज्यस्तरीय–पुरस्कार से पुरस्कृत एवं सम्मानित किया जाना।

(2)कार्यक्षेत्र

उक्त पुरस्कार हेतु निम्नलिखित कार्यक्षेत्रों में शैक्षणिक–अर्हता एवं विशेष–दक्षता रखने वाले, उल्लेखनीय साहित्यसर्जन करने वाले, समाज में संस्कृत–शिक्षा और उसके शिक्षण की प्रतिष्ठा हेतु प्रशंसनीय–सेवा करने वाले तथा संस्कृत के प्रचार–प्रसार, विकास और विस्तार के लिए सचेत, सजग और समर्पित उन संस्कृत–शिक्षाविदों,विद्वानों एवं संस्कृत–कर्मियों को चुना जायेगा–

1. जिन्होंने परम्परागत वेदपाठ का अभ्यास कर अथवा छात्रों को सस्वर वेद–संहिताओं का अध्यापन कर अथवा वेद–भाष्यों के अनुशीलन,उपनिषदों के अध्ययन तथा अन्य वैदिक–वाङ्मय के विवेचन का कार्य कर वैदिक–वाङ्मय की सेवा की है।
2. जो शास्त्रीय–परम्पराओं के अध्येता होने के साथ–साथ,शास्त्र–विशेष के अधिकृत विद्वान हों।
3. जिन्होंने संस्कृत–वाङ्मय के विभिन्न–अंगों, किसी अंग/उपांग में अन्तर्निहित गूढ–ज्ञान के प्रकाशन द्वारा संस्कृत–वाङ्मय की श्रीवृद्धि की हो।
4. जिन्होंने संस्कृत–अध्ययन–अध्यापन एवं प्रशिक्षण–पद्धतियों में नवाचार का प्रयोग कर इस क्षेत्र में साहित्य–सर्जन किया हो।
5. जिन्होंने उच्चस्तर की शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थाओं की स्थापना एवं संचालन कर संस्कृत–शिक्षा की विशिष्ट–पहचान बनाई हो।
6. जिन्होंने संस्कृत–वाङ्मय को आधार बनाकर अनुसंधान,तुलनात्मक–अध्ययन या शोधात्मक–सेवा द्वारा अन्वेषण के क्षेत्र में उल्लेखनीय–कार्य कर संस्कृत–वाङ्मय की सेवा की हो एवं संस्कृत में निहित ज्ञान–विज्ञान को प्रकाशित एवं प्रचारित किया हो।
7. जिन्होंने सम–सामयिक,सामाजिक, आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक–मूल्यों के परिप्रेक्ष्य में संस्कृत–वाङ्मय के महत्त्व में योगदान कर सापेक्ष्य रूप से रचनाओं का लेखन,निष्पादन,प्रकाशन अथवा प्रसारण कर जन संचार–माध्यमों के द्वारा संस्कृत को जन–जन तक पहुँचाने में विशिष्ट–उल्लेखनीय भूमिका का निर्वाह किया हो।
8. जिन्होंने संस्कृत–भाषा के व्याकरण तथा उसकी वैज्ञानिकता, उत्कृष्टता एवं विशालता के बारे में युक्तियुक्त–विश्लेषण कर देववाणी के तात्पर्य की पृष्ठभूमि एवं सार्थकता प्रमाणित करने हेतु लेखन या प्रचार–माध्यमों द्वारा महत्त्वपूर्ण योगदान किया हो।

सम्मानार्थ चुने जाने वाले योग्य–विद्वानों के लिए किसी एक मानदण्ड के अन्तर्गत पात्र पाया जाना पर्याप्त होगा तथा परम्परागत–शैली एवं आधुनिक–शैली दोनों प्रवृत्तियों के विद्वान इसके लिये पात्र होंगे।

विशेषः–

1. सम्माननीय–विद्वान का चयन करते समय उसकी शैक्षणिक–अर्हताओं, मौलिक–रचनाओं, शोधकार्यों एवं अन्य लेखन–कार्य तथा संस्कृत–शिक्षा के विकास, विस्तार व प्रसार की दृष्टि से प्राप्त–उपलब्धियों का प्रमुख–रूप से समग्र–मूल्याकन किया जायेगा ताकि चयन प्रक्रिया पूर्णतया वस्तुपरक एवं तथ्यपरक हो सकेगी।
2. यह भी ध्यान रखा जाना चाहिए कि चयन सम्पूर्ण–राजस्थान को दृष्टिगत रखते हुए किया जायेगा।
3. ऐसे संस्कृत के प्रौढ–पाण्डित्य वाले लब्धप्रतिष्ठ–विद्वान जिनकी शैक्षणिक–अर्हता अपेक्षाकृत कम है, उनका चयन संस्कृत–क्षेत्र में अर्जित अन्य उपलब्धियों की समीक्षा के आधार पर किया जा सकेगा।